नवभारत, मुंबई 22 नवंबर 2008

सिरदर्द भगाने आयुर्वेद की नई खोज

माइग्रेन रोग पर सेमिनार का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. सम्पूर्ण विश्व में 15 करोड़ से भी ज्यादा आबादी को बार-बार होनेवाले सिरदर्द (माइग्रेन) को शीघ्र ही पूर्ण रूप से ठीक करने के लिए, एक नई खोज आयुर्वेद द्वारा की गई है.

यह जानकारी इंडियन मर्चेन्टस् चेम्बर सभागार में आयोजित 'माइग्रेन के उपचार' विषयक सेमिनार में पद्मश्री वैद्य बालेन्दु ने दी. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, सलाहकार विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने माइग्रेन चिकित्सा में प्रस्तुत किए गए अनुसंधान कार्य की सराहना की. इस मौके पर डॉ. महेश अभ्यंकर ने माइग्रेन रोग के विषय में 'मिथक एवं सत्य' विषय पर बोलते हुए प्रतिभागियों को एलोपैथ के हिसाब से जानकारी दी. डॉ. एम. एन. सराफ ने बताया कि आयुर्वेदिक औषधियों को चूहों पर परीक्षण करने के बाद किसी भी तरह का साइड ईफेक्ट नहीं देखा गया.

समारोह में जी. एस. के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. टोटेजा ने आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुसंधान की आवश्यकता बताते हुए कहा कि माईग्रेन की चिकित्सा के क्षेत्र में वैद्यजी द्वारा प्रस्तुत किए गए परिणाम उत्साह वर्धक हैं तथा यह खोज वैज्ञानिक विश्लेषण चिकित्सा क्षेत्र में माईग्रेन को नई दिशा दे सकता है. इससे भारत आयुर्वेद के क्षेत्र का प्रथम नोबेल पुरस्कार का दावेदार हो सकता है. सेमिनार के आयोजकों द्वारा जनहित में माईग्रेन के उपचार हेतु नई दिशा संबंधी एक प्रपत्र जारी किया गया, जिसका विमोचन समारोह के मुख्य अतिथि द्वारा किया गया.